



जमीन सर्वे के बीच पप्पू यादव ने अंचल कार्यालय में मारा छापा नशे की हालत में धराए बड़ा बाबू

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पूर्णिया, बिहार में पिछले कुछ दिनों से जमीन सर्वे का काम जारी है। इसको लेकर सूबे की जनता अपने जमीन की रसीद कटवाने या मोटेशन करवाने अंचल कार्यालय पहुंच रहे हैं। जहां कई लोगों का काम तो बड़ी आसानी से ही जा रहा है। लेकिन, कई जगहों पर इस काम को करने के लिए अवैध वसूली की भी बातें कही जा रही है। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला पूर्णिया जिला के एक अंचल कार्यालय से सामने आया है। सबसे बड़ी बात है कि यहां न सिर्फ अवैध वसूली का खेल चल रहा है बल्कि यहां के कर्मी इस शराबबंदी वाले बिहार में शराब का सेवन कर काम कर रहे हैं। इस बात का खुलासा कोई आम शख्स नहीं बल्कि यहां के सांसद पप्पू यादव ने किया है। दरअसल, पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को यह शिकायत मिली थी कि रुपौली अंचल कार्यालय में अवैध वसूली का खेल चल रहा है। इसके बाद सांसद ने खुद औचक निरीक्षण किया और इस दौरान उन्हें यहां



भ्रष्टाचार और भारी अनियमितताएं देखने को मिली। इसके बाद पप्पू यादव ने जब स्थानीय लोगों से बातचीत किया तो उन्होंने सांसद को बताया कि जमीन के मोटेशन के लिए दस हजार से लेकर पच्चीस हजार तक वसूले जा रहे हैं। वहीं, राशन कार्ड बनवाने के लिए पैंतीस सौ रुपए तक की अवैध मांग की जाती है। इतना ही नहीं आधार कार्ड में नंबर बदलवाने के लिए भी सी से तीन सौ रुपए तक वसूले जाते हैं। यह सारी अवैध वसूली स्थानीय अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से हो रही है। जिससे

जनता काफी त्रस्त है और अब उन्होंने इन सभी चीजों को खुद से भी महसूस किया। उधर, पप्पू यादव ने निरीक्षण के दौरान पाया कि कई कर्मी कार्यालय टाइम में भी ड्यूटी से गायब थे। जबकि कुछ लोग काम के सिलसिले में बाहर भी गए थे। वहीं, अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू को नशे की हालत में पाया गया। इसके बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि इस शराबबंदी वाले बिहार में यह इसका सेवन कहां से कर रहा है और सबसे बड़ी बात यह है कि अंचल कार्यालय में नशे की हालत में कार्य कैसे कर रहा है ?

बिहार में टला बड़ा रेल हादसा

पलटने से बाल-बाल बची बंगलुरु से गुवाहाटी जा रही ट्रेन

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ कटिहार, बिहार में बड़ा रेल हादसा टल गया है। यह हादसा झारखंड की सूझबूझ से टल गया। यह पूरी घटना कटिहार-मावला रेलखंड पर आदिना और एकलखी स्टेशन के बीच का है। जहां अप लाइन का फिश प्लेट खुले देखकर चालक ने ट्रेन रोक दिया। इससे बंगलुरु से गुवाहाटी जा रही सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन बाल-बाल गच गई। वहीं, चालक की सूचना पर रेलवे में खलबली मच गई। रेलवे के अधिकारी और अभियंत्रण विभाग के एक विशेष टीम ने सबसे पहले खुले फिश प्लेट ठीक कर दिया। इसके बाद ट्रेन का परिचालन सुबह 8.38 बजे से लेकर 9 बजकर 13 मिनट तक अप लाइन पर गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन संख्या 22511 गुवाहाटी-बंगलुरु एक्सप्रेस ट्रेन रूकी रही। हालांकि, अभियंता और अन्य रेल कर्मियों की तत्परता से खुले फिश प्लेट के क्लैंप को ठीक करने के बाद ट्रेन का परिचालन 35



मिनट बाद ट्रेन को रवाना किया गया। इसके अलावा इस मामले की जांच के बाद सीनियर डीईएन वन के नेतृत्व में घटित टीम ने जांच में पाया कि 4 सितंबर को थीक बेव एसईजे लगाने के लिए ट्वाई घंटे का ब्लॉक दिया गया था। कार्य पूरा होने के बाद कार्यस्थल पर छह जोड़ों की निगरानी के लिए चौकीदार की नियुक्ति की गई थी। 5 सितंबर की सुबह 9 बजे ट्रेन नंबर 22511 के लोको पायलट ने बताया कि एक फिश प्लेट खुली

हुई थी। इसकी जांच के बाद पता चला कि जो फिश प्लेट खुली हुई थी। जिसमें संबंधित सेक्शन के जेई की ओर से बड़ी सुरक्षा चूक हुई थी क्योंकि संबंधित जोड़ को ठीक से नहीं कसा गया था। इस कारण से जेई को मुख्य आरोपी बताया गया है। रेलवे के विश्वस्त सूत्रों की माने तो जांच अधिकारी ने एकलखी सेक्शन के जेई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। साथ ही एक रेल कर्मी को भी सेवा से बर्खास्त कर दी गई है।

ड्यूटी पर तैनात एसआई की अचानक हुई मौत एक सप्ताह के बाद घर से काम पर लौटे थे सब इंस्पेक्टर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ गोपलगंज, बिहार के गोपलगंज से एक सनसनीखेज मामला निकल कर सामने आ रहा है। जहां ड्यूटी पर तैनात सब इंस्पेक्टर की अचानक मौत हो गई। यह एसआई 2 सितंबर को घर से काम पर लौटे थे और अब उनकी मौत की खबरें निकल कर सामने आई है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में मातम का माहौल बना हुआ है। इसके साथ ही विभाग में भी कोतुहल का माहौल बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, गोपालगंज के भोरे थाने में तैनात सब इंस्पेक्ट की ड्यूटी के दौरान अचानक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक ड्यूटी के दौरान अचानक पुलिस अवर निरीक्षक की तबीयत खराब हो गई। आनन फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। वहीं, मृतक ड्यूटी में तैनात सब इंस्पेक्टर राजेश कुमार यादव है। मृतक के परिजनों को जब घटना



की सूचना मिली तो कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन में जवान को अंतिम सलामी दी जाएगी। इसके बाद अंतिम संस्कार होगा। पुलिसकर्मियों में घटना के बाद शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि झारखंड के साहिबगंज जिले के मुफरसल थाना क्षेत्र के शोभनपुर गांव राजेश कुमार यादव फरवरी माह से एसआई के

रूप में भोरे थाना में अपना योगदान दिया था। वह एक सप्ताह पहले ही वह अपने घर छुट्टी पर गए थे। दो सितंबर को वह छुट्टी से वापस लौटे थे, तब से लगातार ड्यूटी कर रहे थे। शनिवार को दोपहर गश्ती के दौरान उनके सीने में दर्द होने लगा। वे दर्द की हालत में ही थाने पर पहुंचे। इसके बाद तुरंत उन्हें इलाज के लिए रेफर अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डेंगू से पटना में चौथी मौत

36 नए मरीज भी मिले, स्वास्थ्य विभाग से फॉगिंग की मांग

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, राजधानी पटना में अब डेंगू से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 36 नए मरीज मिले। 57 वर्षीय महिला मीठापुर, गर्दनीबाग की रहनेवाली थी। उसका इलाज पीएमसीएच में चल रहा था। इस घटना को लेकर जिला संक्रामक रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीसीओ) ने बताया कि महिला कई अन्य गंभीर बीमारियों सेप्टिक शॉक, संक्रमण, निमोनिया आदि से भी ग्रसित थी। वहीं, इस घटना के बाद पटना में डेंगू से यह चौथी मौत है। इससे पहले पटना में तीन लोगों की मौत इलाज के दौरान हो चुकी है। डीवीबीसीओ ने बताया कि उनमें से दो अन्य शहर



के निवासी थे, जिनका इलाज पटना के अस्पतालों में चल रहा था। ऐसे में अब यह बिल्कुल साफ है कि पटना में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ता दिख रहा है। शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं।

मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं। इसके साथ ही शनिवार को अबतक का एक दिन में सर्वाधिक पीड़ित यहां मिले हैं।

में 13, बांकीपुर में पांच, अजीमाबाद में छह, पाटलिपुत्र में 10, दानापुर में एक, एनसीसी में एक भी नया मरीज नहीं मिला। पटना में अब कुल डेंगू पीड़ितों की संख्या बढ़कर 400 के पार पहुंच गई है। उधर, जलजमाव से डेंगू व डायरिया समेत अन्य जलजनित बीमारी से लोग परेशान हैं। आम लोग सहित सरकारी विभाग के कर्मी डेंगू की चपेट में आ गये हैं। क्षेत्र में प्रायः सभी जगहों पर डेंगू के मरीज मिल रहे हैं। इसके साथ ही बकरी के दूध की मांग बढ़ गयी है। इसके अलावा लोग स्वास्थ्य विभाग से फॉगिंग कराने की मांग कर रहे हैं।

एसपी, दारोगा-जज-कलेक्टर सब रात में पीते हैं शराब

फिर बोले मांझी..उन्हें नहीं करता कोई गिरफ्तार, सिर्फ मजदूरों को भेजा जाता है जेल

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, बिहार में करीब 8 साल से पूर्ण शराबबंदी है। इसे लेकर जीतन राम मांझी आए दिन बेबाक अपनी बातें रखते रहे हैं। एक बार फिर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जमुई में नीतीश की शराबबंदी पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी का कोई मतलब नहीं है। बड़े-बड़े शराब तस्कर नहीं पकड़े जा रहे हैं। थाने में एसपी और दारोगा शराब पीते हैं। रात में जज, कलेक्टर भी शराब पीते हैं। लेकिन उन्हें कोई गिरफ्तार नहीं करता लेकिन मेहनत और मजदूरी करने वाले मजदूर पाव भर शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार हो जाते हैं। सिर्फ मजदूरों को ही जेल भेजा जा रहा है। जिसका खामियाजा मजदूरों के परिवारों को भुगतना पड़ता है। ये लोग रोज कमाते और



रोज खाते हैं घर का कमाऊ सदस्य के जेल जाने से परिवार पर खासा असर पड़ता है। जमुई में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह सह शिक्षा सम्मान समारोह में जीतन राम मांझी पहुंचे थे। सम्मान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा

चुना है। पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अपनी मेनिफेस्टो में धारा 370 हटाने की बात कही है। यह लोग पाकिस्तान के समर्थक हैं। जम्मू कश्मीर में एनडीए की सरकार बनेगी। जीतन राम मांझी ने चिराग पासवान के पटना में शेड्यूल कास्ट पर दिए बयान पर

कहां कि चिराग पासवान अभी बच्चा है। उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है। बता दें कि पिछले दिनों चिराग पासवान ने कहा था कि शेड्यूल कास्ट में भी लोग बढ़िया पदाधिकारी बने हैं और शिक्षित हैं। जीतन राम मांझी ने कहा कि बिहार में 22 शेड्यूल जाती है। इसमें 18 जातियों की साक्षरता दर मात्र पांच प्रतिशत है। आज तक ये डीएम, एसपी और अन्य पदाधिकारी नहीं बन पाए। इसे बढ़ाने की जरूरत है। वही बिहार में हो रहे जमीन सर्वे के सवाल पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि राज्य के 70ब जमीन पर राजद के लोगों का कब्जा है। जमीन का सर्वे पूरी ईमानदारी से होनी चाहिए ताकि लोगों को न्याय मिल सके। यदि सर्वे में कोई गड़बड़ी होती है तो हम इसका विरोध करेंगे।

मझौलिया थाने के दारोगा की दबंगई 25 हजार रुपये लेकर मामा-भांजे को थाने से छोड़ने का आरोप

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ बेतिया, बिहार पुलिस के दारोगा की दबंगई बेतिया में सामने आई है। पीड़ित ने 25 हजार रुपये लेकर थाने से छोड़ने का आरोप लगाया है। बेतिया के मझौलिया थाने की पुलिस पर यह गंभीर आरोप लगा है। जहां जबरन एक शख्स को थाने के लॉकअप में बंद कर दिया और उसे छोड़ने के एवज में परिजनों से एक लाख रुपये की मांग की गयी थी। ग्रामीणों के थाने पर आने के बाद 25 हजार देने की बात तय हुई थी और 25 हजार मिलने के बाद ही दारोगा ने लॉकअप में बंद मामा-भांजे को छोड़ा। बेतिया के मझौलिया थाना क्षेत्र के अमवा बैरागी गांव निवासी चन्दन प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी को लिखित आवेदन देकर मझौलिया थाने में तैनात दारोगा

बिहारी प्रसाद निराला पर गंभीर आरोप लगाया। भांजा चंदन प्रसाद ने बताया कि उसके मामा को जबरन थाने में ले जाकर बंद कर दिया गया और पैसे लेकर उन्हें छोड़ा गया। एसपी अमरकेश डी को भांजे ने जो आवेदन दिया उसमें इस बात का जिक्र है कि 2 सितंबर की रात करीब 8 बजे वह पूर्णिया के रानी पकड़ा गांव निवासी अपने मामा मनीष कुमार के साथ अमवा बजार गया हुआ था। अचानक गाड़ी का पेट्रोल खत्म हो गया। सड़क किनारे अपने मामा को खड़ा करके वो बाजार से पेट्रोल लाने चला गया। इसी दौरान मझौलिया थाने के सब इंस्पेक्टर बिहारी प्रसाद निराला आए और उन्हें जबरदस्ती अपनी गाड़ी में बिठाकर साथ मझौलिया थाने लेकर चले गए। जहां उन्हें रात भर हाजत में बंद रखा गया।

जब वह बाजार कर लौटा तो देखा की मामा नहीं है। जिसके बाद जब उनके फोन पर कॉल किया तो सारी बातों की जानकारी मामा ने उसे दी। फिर वो सब इंस्पेक्टर बिहारी प्रसाद निराला से भी फोन पर बात की। दारोगा ने बताया कि उनके मामा को उन्हीं ने पकड़ा है और थाने में रखा है। आपके मामा को हम नहीं छोड़ सकते। उनके पास से गांजा बरामद हुआ है। उसने बताया कि जब अगले दिन मैं अपने मामा से मिलने थाने पर गया तो दारोगा बिहारी प्रसाद निराला गाली गलौज करने लगे। उन्होंने उसे भी हाजत में बंद कर दिया और छोड़ने के लिए एक लाख रुपए की मांग करने लगे। जिसके बाद भांजे ने अपने बड़े पापा और गांव के चार-पांच लोगों को इस बात की जानकारी दी। उन लोगों के थाने पर आने के

बाद 25 हजार रुपए में बात तय हुई। जिसके बाद जब दारोगा बिहारी प्रसाद निराला ने 25 हजार रुपये लिया तब ही मामा और भांजे को छोड़ा। युवक ने एसपी को एक ऑडियो की रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध कराया है। वही जब इस संबंध में बेतिया पुलिस अधीक्षक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है। जो ऑडियो क्लिप लड़के ने उपलब्ध कराया है उसमें कही भी पैसे मांगने का जिक्र नहीं है। मैंने खुद पूरा ऑडियो सुना है। उन्होंने बताया कि संदेह के आधार पर पुलिस युवक को पड़कर थाने लायी थी। लेकिन वेरीफाई करने के बाद प्रशिक्षु डीएसपी द्वारा उसे छोड़ा गया। दारोगा पर जो आरोप लगाया गया है वो बिल्कुल निराधार और गलत है।

बेतिया में गंडक नदी पार कर रहे शिक्षकों की नाव पलटी, पटजीरवा घाट पर मची अफरा-तफरी

बेतिया बिहार के बेतिया में गंडक नदी पार करने के दौरान शिक्षकों से भरी नाव पलट गई। हालांकि सभी शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। गनीमत की रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। इस घटना के बाद शिक्षकों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना पश्चिम चंपारण के बेतिया की है, जहां गंडक नदी पार कर स्कूल जा रहे शिक्षकों से भरी नाव गंडक



नदी में पलट गई। नाव पर 15 से अधिक शिक्षक सवार थे। सभी शिक्षक बेतिया से दियारा के विभिन्न विद्यालयों में जा रहे थे। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि नाव जैसे ही खुली उसका संतुलन एक दूसरे नाव से टकराने के बाद बिगड़ गया। जिससे सभी शिक्षक नदी में डूब गए। वहीं स्थानीय लोग और गोताखोरों की मदद से शिक्षकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।